नईदुनिया

हारर फिल्म द एक्सार्सिस्ट देखने से बिगडी दर्शकों की तबीयत

लास एंजेलस

हारर फिल्म द एक्सार्सिस्ट जिसे दुनिया की सबसे डरावनी फिल्मों में गिना जाता है। इस फिल्म को लेकर सालों से कई चौंकाने वाले दावे किए जाते रहे हैं। द एक्सार्सिस्ट 53 साल पहले यानी 1973 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। कहा जाता है कि इसे देखने के दौरान कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी। कुछ लोग बेहोश हो गए, तो कुछ के बारे में दावा किया गया कि उन्हें खून की उल्टियां होने लगी थीं। यही वजह है कि आज भी यह फिल्म चर्चा का विषय बनी रहती है।

यह एक हारर और मिस्ट्री फिल्म है, जिसकी कहानी एक छोटी बच्ची और उसके शरीर में कथित तौर पर प्रवेश कर चुकी बुरी आत्मा के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी, डरावने दृश्य और साउंड इफेक्ट्स उस समय दर्शकों के लिए बिल्कुल नए थे।

रिलीज के बाद लोगों में इसे देखने की जबरदस्त उत्सुकता थी। करीब 104.96 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 3,858.94 करोड़ रुपये की कमाई कर इतिहास रच दिया। फिल्म की कहानी एक मासूम बच्ची के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर एक बुरी आत्मा का साया हो जाता है। इसके बाद बच्ची का व्यवहार पूरी तरह बदल जाता है।

उसकी मां, जो एक मशहूर अभिनेत्री होती है, बेटी की अजीब हरकतों से परेशान होकर उसे कई डाक्टरों को दिखाती है। जब कोई इलाज काम नहीं आता, तो आखिर में वह एक पादरी की मदद लेती है, जो बच्ची से बुरी आत्मा को बाहर निकालने की कोशिश करता है।

इस फिल्म का हर सीन इतना खौफनाक है कि देखने वालों की रूह कांप जाती है। इस फिल्म को लेकर कई मीडिया रिपोर्ट्स और चर्चाओं में दावा किया गया कि फिल्म के प्रदर्शन के दौरान कई दर्शकों की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। कुछ लोग थिएटर में ही बेहोश हो गए, जबकि कुछ को घबराहट और उल्टी जैसी समस्याएं होने लगीं।

कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक दावा किया गया कि कुछ लोगों को खून की उल्टियां हुईं और कई दर्शकों को अस्पताल तक ले जाना पड़ा। वहीं, ब्रिटेन की कुछ पुरानी मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि फिल्म देखने के बाद कुछ लोगों की हार्ट अटैक से मौत हुई थी। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पूरी तरह पुष्टि नहीं हो पाई है। फिर भी इन घटनाओं ने फिल्म को लेकर रहस्य और डर दोनों को और बढ़ा दिया। इस फिल्म को लेकर एक और मशहूर दावा यह भी है कि इसकी शूटिंग के दौरान कई अजीब घटनाएं हुई थीं। कहा जाता है कि फिल्म से जुड़े कई कलाकारों और क्रू मेंबर्स की अलग-अलग कारणों से मौत हो गई या वे हादसों का शिकार हुए। अभिनेता जैक मैकगोवरन और अभिनेत्री वासिलिकी मालियारोस, जिनके किरदार फिल्म में मर जाते हैं, उनकी वास्तविक जीवन में भी फिल्म रिलीज के कुछ समय बाद ही मौत हो गई थी। इन घटनाओं के बाद कई लोगों ने फिल्म को शापित कहना शुरू कर दिया। हालांकि, इन दावों के पीछे कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने अमेरिकी महिला को रिहा किया, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा की खुशखबरी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान ने एक अमेरिकी महिला को रिहा कर दिया है।

उसे दिसंबर 2024 से ईरान में गलत तरीके से हिरासत में रखा गया था। ट्रंप ने उसकी पहचान नहीं उजागर की और न ही उनकी रिहाई की परिस्थितियों के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी दी। उन्होंने इसके लिए ईरान का आभार जताया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर यह खुशखबरी साझा की। उन्होंने लिखा, ईरान ने एक अमेरिकी नागरिक को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है। उन्हें स्लीपी जो बाइडेन के कार्यकाल में दिसंबर 2024 में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। वह अब सुरक्षित रूप से ईरान से बाहर हैं और ठीक-ठाक हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, ईरान के इस सद्भावनापूर्ण कदम की सराहना करता है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति की ट्रुथ सोशल पोस्ट के बाद महिला की पहचान के संबंध में व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति के बंधक मामलों के लिए विशेष दूत के कार्यालय से संपर्क किया गया। बाद में रिहा की गई महिला की पहचान उनके वकील ने डीना करारी के रूप में की। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार वकील जेरेड गेन्सर ने एक्स पर लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी और उत्साह हो रहा है कि मेरी मुवक्किल और अमेरिकी नागरिक डीना करारी अब आजाद हैं। वो दिसंबर 2024 से ईरान में झूठे आरोपों के कारण फंसी हुई थीं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का धन्यवाद किया और कहा कि उनकी मुवक्किल अब सुरक्षित हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका वापस लौट रही हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि पिछले माह तक अमेरिकी सरकार ईरान में हिरासत में लिए गए कम से कम छह अमेरिकियों की स्थिति पर नजर रख रही थी। इनमें से दो को गलत तरीके से हिरासत में लिए गए लोगों के रूप में चिह्नित किया गया था।

नेपाल में कोशी नदी उफान पर, बैराज के 56 में से 21 फाटक खोले गए

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के कारण कोशी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलप्रवाह 1

लाख 63 हजार क्यूसेक से अधिक पहुंचने के बाद प्रशासन ने बैराज के 21 फाटक खोल दिए। सुनसरी के पुलिस उपाधीक्षक चन्द्रबहादुर खड़का के अनुसार, गुरुवार सुबह तक कोशी बैराज पर नदी का जलप्रवाह 1 लाख 63 हजार 230 क्यूसेक दर्ज किया गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि पूर्वी नेपाल में लगातार वर्षा जारी रही तो नदी का जलस्तर और बढ़ सकता है। बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए कोशी बैराज के कुल 56 फाटकों में से 21 फाटक खोल दिए गए हैं। बैराज में 52 मुख्य फाटक और चार नहर फाटक हैं। कोशी बैराज नियंत्रण कक्ष के अनुसार, जब नदी का जलप्रवाह 1 लाख 50 हजार क्यूसेक से अधिक हो जाता है, तब संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए बैराज पर लाल चेतावनी बत्तियां जला दी जाती हैं और लाल झंडे फहरा दिए जाते हैं। मानसून के दौरान तमोर, अरुण, सुनकोशी, दूधकोशी, तामाकोशी, भोटेकोशी और इन्द्रावती जैसी प्रमुख सहायक नदियों का पानी मिलने से कोशी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है। शुष्क मौसम में नदी का प्रवाह अपेक्षाकृत कम रहता है। कोशी नदी का बढ़ता जलस्तर नेपाल और भारत के निचले तटीय क्षेत्रों में बाढ़ और कटाव का खतरा बढ़ा रहा है ।

हाई-स्पीड रेल ने 5.3 सेकंड में हासिल की 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

बीजिंग। दुनिया भर में हाई-स्पीड रेल तकनीक को लेकर प्रतिस्पर्धा लगातार तेज होती जा रही है। एक

तरफ भारत अपने रेल नेटवर्क को आधुनिक बनाते हुए सेमी हाई-स्पीड और बुलेट ट्रेन परियोजनाओं को तेजी से गति दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ चीन ने मैग्लेव तकनीक के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने का दावा किया है। चीन के वैज्ञानिकों ने चुंबकीय तकनीक से संचालित एक हाई-स्पीड मैग्लेव ट्रेन माडल को महज 5.3 सेकंड में 800 किलोमीटर प्रति घंटे की अविश्वसनीय रफ्तार तक पहुंचाकर नया विश्व रिकार्ड बनाने का दावा किया है। यह गति भारत में प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की संभावित रफ्तार से करीब तीन गुना अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के हुबेई प्रांत स्थित ईस्ट लेक लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने 1110 किलोग्राम वजनी हाई-स्पीड रेल माडल का यह सफल परीक्षण किया है। इस अनूठे परीक्षण में ट्रेन को पारंपरिक पहियों के बजाय चुंबकीय उत्तोलन यानी मैग्नेटिक लेविटेशन (मैग्लेव) तकनीक की मदद से ट्रैक के ऊपर हवा में तैराया गया और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक प्रोपल्शन सिस्टम के जरिए बेहद तेज गति प्रदान की गई। वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले छह महीनों के भीतर इसी परीक्षण प्लेटफार्म पर बनाया गया यह तीसरा विश्व रिकार्ड है। इस सफल परीक्षण के बाद लगभग एक महीने तक विभिन्न तकनीकी मानकों की बारीकी से जांच की गई।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव, ईरान जा रहे खाली तेल टैंकर ने किया नाकाबंदी का उल्लंघन, अमेरिका ने मिसाइल दागकर रोका

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान के बंदरगाहों के खिलाफ की गई अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका ने नाकाबंदी का उल्लंघन कर ईरान की तरफ बढ़ रहे एक खाली तेल टैंकर (जहाज) पर मिसाइलें दागकर उसे बेकार कर दिया। यही नहीं, नाकाबंदी लागू होने के पहले 24 घंटों के दौरान नियमों का पालन करने वाले दो वाणिज्यिक जहाजों को खतरे से आगाह करते हुए उनका रास्ता बदल दिया। अमेरिका ने ईरान के सैन्य और रणनीतिक केंद्रों पर भी हवाई हमले किए हैं। कई शहरों में भीषण धमाके हुए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व के तनावपूर्ण हालात पर सिचुएशन रूम में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने एक्स पर कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले खाली तेल टैंकर को बेकार कर दिया गया है।कुराकाओ के झंडे वाला टैंकर एमटी बेल्मा अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में खार्ग द्वीप की ओर जा रहा था। इस दौरान लगातार उसने चेतावनी को नजर अंदाज किया। एक अमेरिकी विमान ने जहाज की चिमनी (स्मोकस्टैक) पर हेलफायर मिसाइलें दागकर उसे बेकार कर दिया। खार्ग द्वीप ईरान के लिए आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी फिर से लागू होने के बाद से रोका गया यह पहला जहाज है।

आईआरजीसी को मिट्टी में मिलाने का वक्त

इस सबके बीच मध्य पूर्व के तनावपूर्ण हालात पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार शाम सिचुएशन रूम में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई बढ़ाने के विकल्पों पर चर्चा की गई। ट्रंप ने कहा कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) को मटियामेट करने का समय आ गया है। कार्प्स के साथ बातचीत नहीं की जा सकती। उन्होंने दावा किया कि ईरान के कुछ अधिकारियों ने फोन करके मिलने की इच्छा जताई।

वेंस ने माना, मामला उलझा है

सेंटकाम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान के खिलाफ हवाई हमलों का नया दौर शुरू किया। अमेरिकी सेना ने दोपहर तीन बजे (पूर्वी समय) ईरान पर

हमले कर उन सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले जहाजों को धमकाने के लिए किया जाता है। अमेरिकी सेना ने ग्रेटर टुनब द्वीप को भी निशाने पर लिया है। इस बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान के मामले में अमेरिका मूल रूप से सही रास्ते पर है पर यह मामला काफी उलझा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका किसी अनिश्चितकालीन बमबारी अभियान में शामिल नहीं होगा।

कैंसर अस्पताल के पास गिरा प्रोजेक्टाइल

ईरान के कई इलाकों में बुधवार देर शाम (स्थानीय समय) धमाकों की आवाज सुनी गई। इनमें बंदर अब्बास बंदरगाह शहर और दक्षिणी शहर अहवाज और चाबहार शामिल हैं। सरकारी इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान ब्राडकास्टिंग (आईआरआईबी) के अनुसार, अहवाज में स्थित शहीद बघाई कैंसर अस्पताल के पास अमेरिकी हमले का एक प्रोजेक्टाइल गिरने से काफी नुकसान हुआ है। यहां भर्ती 211 मरीजों को जैसे-तैसे बाहर निकाला गया। बमबारी से आक्सीजन, वेंटिलेटर और जीवन बचाने वाले अन्य उपकरणों पर निर्भर मरीज भी प्रभावित हुए। बुधवार देररात ईरान के केशम द्वीप, बंदर अब्बास और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत की कुछ जगहों पर धमाकों की आवाज सुनी गई।

होर्मुज से 13 जहाज गुजरे

मरीन ट्रैफिक के डेटा से पता चलता है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद पिछले 24 घंटों में कम से कम 13 कमर्शियल जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे। इनमें से आठ आठ फारस की खाड़ी में दाखिल हुए। युद्ध से पहले जलडमरूमध्य से रोजाना औसतन लगभग 110 जहाज गुजरते थे। इस बीच अमेरिकी सेना ने ईरान जाने वाले तीन जहाजों को रोककर ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी के उपाय लागू किए, लेकिन ईरानी सेना ने कहा कि जब तक अमेरिका ईरान के नियमों को नहीं मानता तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि वह अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव बढ़ने को लेकर बहुत चिंतित हैं।

भारत समेत 5 देशों पर 100 प्रतिशत टैक्स लगाएगा अमेरिका, रूस से तेल खरीदने वालों के खिलाफ संसद में बिल पेश

वाशिंगटन

अमेरिका के सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों के खिलाफ एक नया प्रतिबंध बिल पेश किया है, जिसमें भारत पर भी 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है। यह बिल 5 प्रमुख देशों - भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान के निर्यात पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने का प्रस्ताव करता है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य रूस की ऊर्जा से होने वाली आय पर लगाम कसना और उस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव बनाना है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक नई भू-राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका बढ़ गई है। यह नया बिल अप्रैल 2025 में सीनेट में लाए गए सेंक्शनिंग रशिया एक्ट का एक नरम संस्करण है। पुराने बिल में 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, जिस पर अमेरिकी संसद में सहमति नहीं बन पाई थी। नए बिल में इस अधिकतम टैरिफ की सीमा को घटाकर 100 प्रतिशत तक सीमित किया गया है, लेकिन इसका प्रभाव अभी भी काफी गंभीर हो सकता है। नए बिल के तहत खास तौर पर चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान को लक्षित किया गया है, जो वर्तमान में रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बिल को अपना समर्थन दिया है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जिनका हाल ही में निधन हो गया, ने इस बिल की रूपरेखा तैयार की थी, और ट्रंप ने कहा है कि यह बिल ग्राहम के सम्मान में लाया गया है। उन देशों को इस बिल के दायरे से बाहर रखा गया है जो रूस से अपनी कुल प्राकृतिक गैस की जरूरत का 15% से कम आयात करते हैं और इस निर्भरता को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं।भारत के लिए इस नए टैरिफ का खतरा ऐसे समय में सामने आया है जब रूसी कच्चे तेल की उसकी खरीद रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। स्ट्रेट आफ होर्मुज में शिपिंग बाधित होने के कारण भारत को मजबूरन रूस का रुख करना पड़ा था। दरअसल, अमेरिका-इजरायल सैन्य हमलों के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण खाड़ी देशों से आने वाले कच्चे तेल की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

कतर के अमीर से नेपाल के उपराष्ट्रपति की शिष्टाचार भेंट

काठमांडू। नेपाल के उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव ने कतर के अमीर (राजा) शेख तमीम बिन हमद अल थानी से दोहा में शिष्टाचार भेंट की। उपराष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, कतर यात्रा के दौरान दोहा स्थित लुसैल पैलेस में दोनों नेताओं के बीच उच्चस्तरीय मुलाकात हुई। उपराष्ट्रपति यादव कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर नेपाल सरकार और नेपाली जनता की ओर से श्रद्धांजलि एवं संवेदना व्यक्त करने के लिए कतर पहुंचे हैं। भेंट के दौरान उन्होंने अमीर शेख तमीम, शाही परिवार तथा कतर की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस दुख की घड़ी में धैर्य और शक्ति प्रदान होने की कामना की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति यादव ने नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल की ओर से भेजा गया शोक एवं संवेदना संदेश अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी को सौंपा। बैठक में नेपाली प्रतिनिधिमंडल के सदस्य तथा कतर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भारत व नेपाल ने की पनबिजली, बिजली व्यापार और ट्रांसमिशन परियोजनाओं की समीक्षा

काठमांडू

भारत और नेपाल के बीच ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पोखरा में भारत-नेपाल संयुक्त संचालन समिति (जेएससी) की 13वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल और नेपाल सरकार के ऊर्जा, जलस्रोत एवं सिंचाई मंत्रालय की सचिव सरिता दवाड़ी ने की।

इससे पहले संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की 13वीं बैठक भी पोखरा में आयोजित हुई। इसकी सह-अध्यक्षता भारत के विद्युत मंत्रालय में संयुक्त सचिव (ट्रांसमिशन) पंकज कुमार और नेपाल के ऊर्जा, जलस्रोत एवं सिंचाई मंत्रालय के संयुक्त सचिव संदीप कुमार देव ने की।

काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के बयान में कहा गया है कि बैठकों में भारत और नेपाल के बीच ऊर्जा क्षेत्र में जारी सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई। इस दौरान पनबिजली परियोजनाओं के विकास, सीमा-पार बिजली व्यापार तथा विद्युत प्रसारण (ट्रांसमिशन) अवसंरचना से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

दोनों पक्षों ने 400 केवी गोरखपुर-न्यू बुटवल ट्रांसमिशन लाइन सहित नई ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही, चल रही और प्रस्तावित विद्युत उत्पादन एवं ट्रांसमिशन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा उन्हें सुगम बनाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में भारतीय और नेपाली विद्युत ग्रिड के समन्वित संचालन, सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में सहयोग तथा नेपाली ऊर्जा विशेषज्ञों की क्षमता विकास जैसे विषय भी प्रमुखता से उठाए गए। संयुक्त संचालन समिति की बैठक से पहले 14 जुलाई को भारत के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल ने नेपाल के ऊर्जा, जलस्रोत एवं सिंचाई मंत्री बिराज भक्त श्रेष्ठ से शिष्टाचार भेंट कर ऊर्जा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

दोनों देशों ने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त संचालन समिति की बैठक के निष्कर्ष भारत-नेपाल ऊर्जा सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने तथा भविष्य की साझा ऊर्जा परियोजनाओं को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

किसान ने भेड़ियों से भेड़ों को बचाने तैयार की अनोखी पोशाक

मेलबर्न

यूरोपीय देश आस्ट्रिया के एक बुजुर्ग किसान ने भेड़ियों से भेड़ों को बचाने स्पेशल बाडी आर्मर तैयार किया है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं। यह अनोखा मामला दक्षिणी आस्ट्रिया के फिलाच शहर के रहने वाले रुडोल्फ शौबाक का है। रुडोल्फ पिछले कई सालों से अपने देश और पड़ोसी देश जर्मनी में भेड़ियों के बढ़ते हमलों और उससे मरती भेड़ों की खबरों से बेहद दुखी थे। उन्होंने ठान लिया कि वे इन बेजुबान जानवरों को बचाने के लिए कुछ अलग करेंगे। लगातार 3 साल की कड़ी मेहनत, रिसर्च और कई तरह के डिजाइनों को आजमाने के बाद उन्होंने आखिरकार भेड़ों के लिए एक कामयाब प्रोटोटाइप यानी सुरक्षात्मक पोशाक तैयार कर ली। रुडोल्फ ने आस्ट्रिया की ऊंची आल्प्स पहाड़ियों पर बने कई फार्मों में भेड़ों को यह अजीबोगरीब कपड़ा पहनाकर इसका बकायदा टेस्ट भी किया है, जिसके बाद से इस पूरे प्रोजेक्ट को लेकर एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया

है। रुडोल्फ शौबाक का यह आइडिया बेहद सीधा और सरल था। वे एक ऐसा हल्का और मजबूत कवच बनाना चाहते थे जिसे पहनकर भेड़ें बिना किसी परेशानी के पहाड़ों पर घूम सकें, दौड़ सकें और घास चर सकें, लेकिन भेड़िए चाहकर भी उन्हें काट न पाएं। इसके लिए उन्होंने एक बेहद हल्के और मजबूत प्लास्टिक के जाल का इस्तेमाल किया, जिसके ऊपर चारों तरफ नुकीले और तेज कांटे लगाए गए हैं।

रुडोल्फ का दावा है कि जब भी कोई भूखा भेड़िया भेड़ पर हमला करने के लिए अपना मुंह खोलेगा, तो ये नुकीले कांटे उसके मसूड़ों और जीभ में इतनी बुरी तरह चुभेंगे कि दर्द के मारे वह तुरंत भेड़ को छोड़ देगा। उन्होंने स्थानीय मीडिया को बताया, भेड़िया एक बहुत ही समझदार और चालाक जानवर है, मुझे पूरा यकीन है कि एक बार कांटों का स्वाद चखने के बाद वह दूसरी बार किसी भेड़ को छूने की हिम्मत भी नहीं करेगा। हालांकि, रुडोल्फ का यह अनोखा आविष्कार आम जनता और खुद भेड़ पालने वाले किसानों को बिल्कुल रास नहीं आ रहा है। लगभग सभी लोगों ने इस तरकीब को बकवास, अव्यावहारिक और बेअसर बताया है। करीब 1,000 भेड़ें रखने वाले एक बड़े किसान रेने क्रूगर ने चेतावनी देते हुए कहा कि समय के साथ भेड़ के बड़े बाल इस प्लास्टिक के जाल में बुरी तरह उलझ जाएंगे, जिससे उन्हें भयंकर दर्द होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भेड़िए बेवकूफ नहीं होते, अगर उन्हें शरीर पर कांटों का कवच दिखेगा तो वे अपनी रणनीति बदलकर भेड़ के खुले हिस्सों जैसे उसके पैर, मुंह या आंखों पर हमला कर उसे मार डालेंगे। वहीं, कृषि संगठनों का कहना है कि हजारों भेड़ों को इतनी महंगी पोशाक पहनाना किसी भी किसान के बजट में नहीं है। फिलहाल बढ़ते विरोध को देखते हुए रुडोल्फ ने आस्ट्रिया में इसका टेस्ट रोक दिया है और वे दुनिया के किसी दूसरे कोने में इस जादुई पोशाक का लाइव टेस्ट की जगह ढूंढ रहे हैं। मालूम हो कि पूरी दुनिया में भेड़ पालन करने वाले किसान हमेशा जंगली भेड़ियों और खूंखार शिकारियों के आतंक से परेशान रहते हैं। रात के अंधेरे में शिकारी जानवर अक्सर अचानक हमला कर मासूम भेड़ों को अपना निवाला बना लेते हैं। इस नुकसान से बचने के लिए किसान सदियों से या तो ऊंची बाड़ लगाते आए हैं या फिर शिकारी कुत्तों का सहारा लेते हैं।